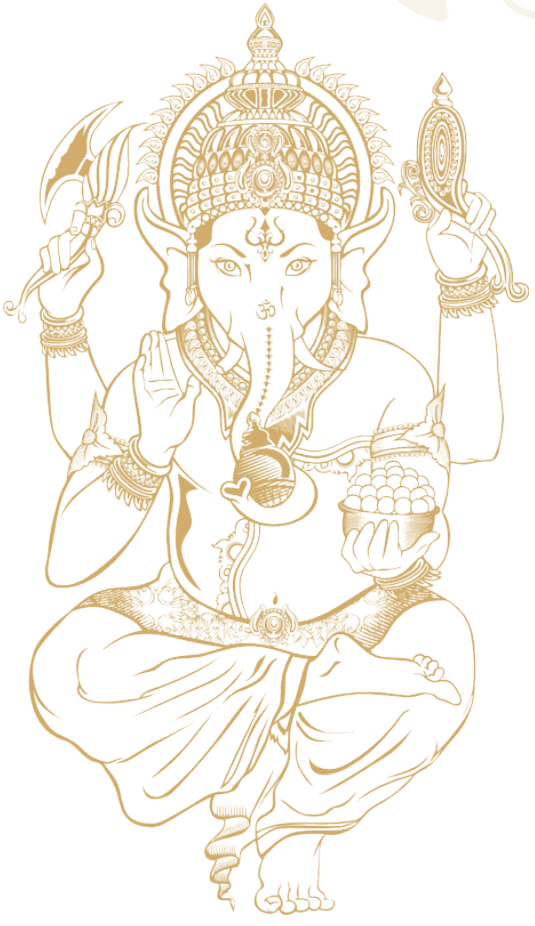

Vihaan Mudgal

10 May 2013

06:15 PM

Beawar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121655504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/05/2013**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:15:00 घंटे**
इष्ट	31:00:20 घटी
स्थान	**Beawar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:02:00 उत्तर
रेखांश	74:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:41:08 घंटे
वेलान्तर	00:03:36 घंटे
साम्पातिक काल	08:55:03 घंटे
सूर्योदय	05:50:52 घंटे
सूर्यास्त	19:10:04 घंटे
दिनमान	13:19:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	25:58:18 मेष
लग्न के अंश	14:51:56 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शोभन
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:51:56	314:49:38	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			मेष	25:58:18	00:58:00	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	उच्च राशि
चंद्र			वृष	01:38:59	12:01:57	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल		अ	मेष	20:48:58	00:44:00	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	स्वराशि
बुध		अ	मेष	24:20:50	02:09:42	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			वृष	25:27:13	00:12:55	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	07:03:55	01:13:48	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	स्वराशि
शनि	व		तुला	13:15:10	00:04:23	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	उच्च राशि
राहु	व		तुला	22:49:04	00:00:07	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	22:49:04	00:00:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष			मीन	16:43:33	00:02:50	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	---
नेप			कुंभ	11:07:05	00:00:54	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	17:21:02	00:00:48	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	17:15:42	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:48

लग्न-चलित

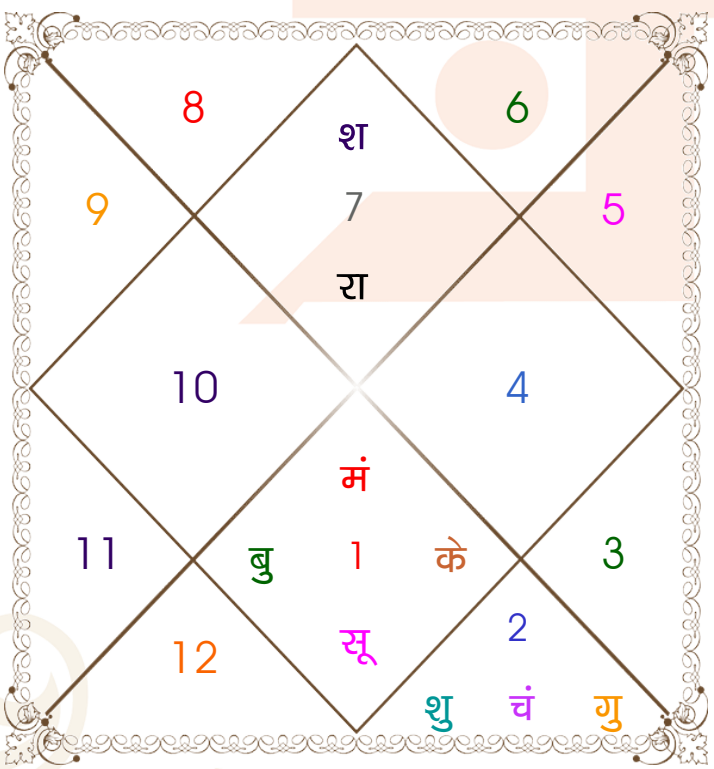

चन्द्र कुंडली

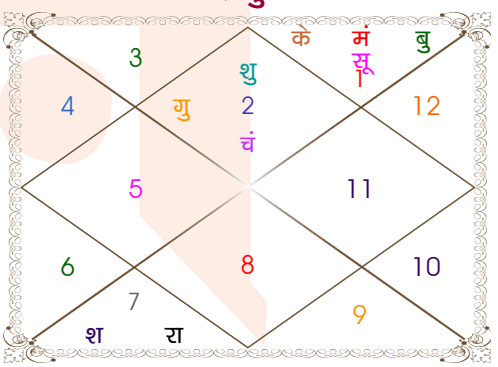

नवमांश कुंडली

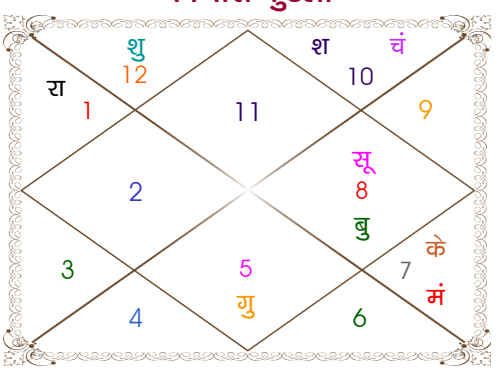

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 9 मास 2 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/05/2013		11/02/2017		11/02/2027		11/02/2034		11/02/2052	
11/02/2017		11/02/2027		11/02/2034		11/02/2052		11/02/2068	
	00/00/0000	चंद्र	12/12/2017	मंगल	10/07/2027	राहु	24/10/2036	गुरु	01/04/2054
	00/00/0000	मंगल	13/07/2018	राहु	28/07/2028	गुरु	20/03/2039	शनि	12/10/2056
	00/00/0000	राहु	12/01/2020	गुरु	04/07/2029	शनि	24/01/2042	बुध	18/01/2059
	10/05/2013	गुरु	13/05/2021	शनि	13/08/2030	बुध	12/08/2044	केतु	25/12/2059
गुरु	18/12/2013	शनि	12/12/2022	बुध	10/08/2031	केतु	31/08/2045	शुक्र	25/08/2062
शनि	30/11/2014	बुध	13/05/2024	केतु	06/01/2032	शुक्र	30/08/2048	सूर्य	13/06/2063
बुध	07/10/2015	केतु	12/12/2024	शुक्र	07/03/2033	सूर्य	25/07/2049	चंद्र	12/10/2064
केतु	11/02/2016	शुक्र	13/08/2026	सूर्य	13/07/2033	चंद्र	24/01/2051	मंगल	18/09/2065
शुक्र	11/02/2017	सूर्य	11/02/2027	चंद्र	11/02/2034	मंगल	11/02/2052	राहु	11/02/2068

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/02/2068		11/02/2087		12/02/2104		12/02/2111		12/02/2131	
11/02/2087		12/02/2104		12/02/2111		12/02/2131		00/00/0000	
शनि	14/02/2071	बुध	10/07/2089	केतु	11/07/2104	शुक्र	14/06/2114	सूर्य	02/06/2131
बुध	24/10/2073	केतु	07/07/2090	शुक्र	10/09/2105	सूर्य	14/06/2115	चंद्र	01/12/2131
केतु	03/12/2074	शुक्र	07/05/2093	सूर्य	16/01/2106	चंद्र	12/02/2117	मंगल	07/04/2132
शुक्र	02/02/2078	सूर्य	13/03/2094	चंद्र	17/08/2106	मंगल	14/04/2118	राहु	02/03/2133
सूर्य	15/01/2079	चंद्र	13/08/2095	मंगल	13/01/2107	राहु	14/04/2121	गुरु	11/05/2133
चंद्र	15/08/2080	मंगल	09/08/2096	राहु	31/01/2108	गुरु	14/12/2123		00/00/0000
मंगल	24/09/2081	राहु	26/02/2099	गुरु	06/01/2109	शनि	12/02/2127		00/00/0000
राहु	31/07/2084	गुरु	04/06/2101	शनि	15/02/2110	बुध	13/12/2129		00/00/0000
गुरु	11/02/2087	शनि	12/02/2104	बुध	12/02/2111	केतु	12/02/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 9 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।